हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

11 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति...

12 उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला 9 जनवरी को पिरथला ...

खबर संक्षेप

कोर्ट पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। कोर्ट में बनी पार्किंग से एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में हुडा सेक्टर-20 निवासी कृपाल सिंहने बताया कि बीती 3 जनवरी की दोपहर को वह किसी काम से कचहरी में गया था। उसने अपनी बाइक कोर्ट में बनी पार्किंग में खड़ी कर काम से चला गया। कुछ देर बाद आया तो देखा मोटरसाइकिल गायब है।

अपहरण के मामले में एक गिरफ्तार

डबवाली। थाना शहर डबवाली ने अपहरण के एक पुराने मामले में नामजद आरोपी को गिरफतार करने में सफलता हासिल की है। शहर थाना प्रभारी शलैन्द्र सिंह ने बताया कि 28 जुलाई 2023 को पीड़ित की मां की शिकायत पर अभियोग दर्ज किया गया था। जांच के दौरान नामजद आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी को गिरफ्तार किया है। आरोपी हरप्रीत को अदालत में पेश किया जायेगा।

जलालआना से चोरी का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। ओढां थाना पुलिस ने गांव जलालआना से चोरी के आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान खुशवीर सिंह उर्फ मोनू पुत्र अमरजीत सिंह निवासी जलालआना के रुप में हुई है। ओढां थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि बीती 17 अक्टूबर 2023 को गुरभक्त सिंह पुत्र गुरदेव सिंह निवासी जलालआना कि शिकायत पर ग्वार के गट्टे चोरी का मामला दर्ज किया गया था।

खेत में बनी ढाणी से कार चोरी, केस दर्ज

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने गांव मानावाली के पास खेत में बनी ढाणी से एक कार चोरी कर ली। पुलिस को दी शिकायत में गांव मानावाली निवासी मनोज कुमार ने कहा है कि उसकी अपनी गाड़ी को बोदीवाली माईनर के पास स्थित अपनी ढाणी में खड़ा किया था। सुबह जब वह घरा से बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसकी गाड़ी गायब थी। पुलिस ने इस बारे अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेपर देकर घर लौट रहा छात्र कार की टक्कर से घायल

फतेहाबाद। पुलिस को दी शिकायत में सदलपुर निवासी सौरभ ने कहा है कि वह बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। गत दिवस वह सरदूलगढ़ से पेपर देकर वापस घर आ रहा था। फतेहाबाद से वह किसी अनजात व्यक्ति के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर आ रहा था। गांव ढाण्ड के मेन बस अड्डे के पास एक कार मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर दे मारी। हादसे में वह घायल हो गया। हादसे के बाद लोगों ने उसे उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया।

जिले से युवती सहित दो लोग लापता

फतेहाबाद। पुलिस को दी शिकायत में सैनी मोहल्ला टोहाना निवासी छज्जू राम ने कहा है कि उसका 29 वर्षीय लड़का जसवंत गत दिवस बिना बताए घर से चला गया है। उसका लड़का घर से अपने साथ 10 हजार रुपये, 1 सोने का कड़ा, सोने की अंगूठी, कागजात व अन्य सामान भी ले गया है। दूसरे मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने गांव झलनियां निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर उसकी 19 वर्षीय लड़की के लापता होने बारे केस दर्ज किया है।

भाषण प्रतियोगिता के लिए 8 तक करें आवेदन

फतेहाबाद। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र संगठन के निर्देशानुसार मेरा भारत-विकसित भारत 2047 विषय पर 9 जनवरी को एसजी मेमोरियल अकादमी ठाकर बस्ती में जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए प्रतिभागी 8 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का गांव म्योंद कलां और म्योंद खुर्द में स्वागत

नागरिकों को बिना देरी के पहुंचाया जा रहा योजनाओं का लाभ, स्टॉलों पर मिल रही सेवाओं की जानकारी

- शेखुपुर दड़ौली में विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण पर खर्च हुए 4 करोड़ : दुड़ाराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

भट्टूकलां। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते विधायक दुड़ाराम। फोटो : हरिभूमि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी वैन शनिवार को भट्टू खंड के गांव शेखुपुर दड़ौली व खाबड़ा कलां पहुंची, जहां लोगों ने कड़ाके की ठंड में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा का जोरदार स्वागत किया। यात्रा के तहत गांव शेखुपुर दड़ौली व खाबड़ा कलां में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम का बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए विधायक दुड़ाराम ने लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं व सेवाओं के पात्र व्यक्तियों को मौके पर ही लाभ देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद हलका के सभी गांवों में करोड़ों रुपये की धनराशि से विभिन्न परियोजनाओं के तहत विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

विधायक दुड़ाराम ने लाभार्थियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत शेखुपुर दड़ौली में 138.31 लाख रुपये से चार कार्य करवाए गए हैं, जिसमें 11.09 लाख रुपये से जिम का निर्माण, 16.38 लाख रुपये से लाइब्रेरी निर्माण, 94.84 लाख रुपये से गंदे पानी की निकासी, 16 लाख रुपये से प्ले ग्राउंड की चारदीवारी शामिल है। मनरेगा योजना के तहत 2 करोड़ रुपये से 16 कार्य तथा 37.35 लाख रुपये से 16 कार्य करवाए गए हैं। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान विधायक दुड़ाराम ने उपस्थित ग्रामीणों को संकल्प दिलाते हुए प्रतिज्ञा दिलाई कि हम भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे न केवल संकल्प लें बल्कि उसे पूरा करने के लिए आगे भी आएं। इसके अलावा उन्होंने कार्यक्रम में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, किसानों, पशुपालकों तथा अनेक प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा लघु फिल्मों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया कि वे किस प्रकार योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। मौके पर राजपाल बैनिवाल, बंसीलाल, अमर सिंह, ब्रह्मानंद गोयल, जिप पार्षद राकेश चोयल, प्रवीन लूणा, बलजीत झाझड़ा, बलजीत बैनिवाल आदि मौजूद रहे।

नागरिकों को विकसित भारत बनाने की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

जाखल। म्योंद गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान लगाई गईस्टालों का अवलोकन करते मनोज बबली। फोटो : हरिभूमि

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में उत्साह देखने को मिल रहा है। लोग जहां एक तरफ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जा रहे स्टालों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी ले रहे हैं। परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, हेल्थ चैक और उज्ज्वला योजना से संबंधित स्कीमों का मौके पर ही लाभ उठा रहे हैं। गांव म्योंद कलां और म्योंद खुर्द में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा बीज विकास निगम के डायरेक्टर मनोज बबली ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी हुकमचंद कौशिक ने नागरिकों को विकसित भारत बनाने की शपथ दिलाई। मनोज बबली ने कहा कि आज देश व प्रदेश में विकास की नई तस्वीर उभर कर सामने आ रही है, जिसे पूरी दुनिया देख रही है। भारत एक बार फिर से विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा केन्द्र व प्रदेश की कल्याणकारी योजनाओं को हर दरवाजे तक पहुंचा रही है। यात्रा बिना किसी भेदभाव के पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के नेतृत्व में देश को ऐसी सरकार मिली है जो गारंटी के साथ अंत्योदय उत्थान की योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ पात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रत्येक गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंच रही है और लोगों की समस्याओं की समाधान भी किया जा रहा है।

जल्द ही शहरी क्षेत्रों में शुरु होगी संकल्प यात्रा

सिरसा। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर अधिकारियों की बैठक ली और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित तौर पर यात्रा का डाटा पोर्टल पर अपडेट करते रहें। प्रचार सामग्री का वितरित करें ताकि ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा सके। अगर किसी प्रकार की कोई समस्या आ रही है तो उसका तुरंत निदान किया जाए। जल्द ही विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा जिला के शहरी क्षेत्रों में भी शुरु की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 6 एलईडी वैन जिला में भेजी गई है जो प्रतिदिन दो गांवों में जा रही है। विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा अब तक जिला के 234 गांवों को कवर कर चुकी है।

यह यात्रा जिला के सभी 339 गांवों में जाएगी। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि प्रत्येक कार्यक्रम में नागरिकों की उपस्थिति बढ़ाने का प्रयास करें ताकि नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही निदान हो सके। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य केंद्र व रा'य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नागरिकों को उनके घर द्वार पर देना है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में केंद्र व रा'य सरकार की फलैगशिप योजनाओं परिवार पहचान पत्र, आयुष्मान भारत चिरायु योजना, निरोगी हरियाणा आदि के स्टॉल्स की संख्या को बढ़ाया जाए ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। इस अवसर पर डीएमसी वीरेंद्र, उप निदेशक कृषि सुखदेव सिंह, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी बूटा राम, डीआईओ सिकंदर, परिवार पहचान पत्र के नोडल अधिकारी रविंद्र, आयुष विभाग से डॉ. हेमा राम मौजूद रहे।

सिरसा। भारत विकसित यात्रा को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते हुए उपायुक्त। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम में लाभार्थियों ने अनुभव साझा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। जनसंवाद कार्यक्रमों के दौरान पात्र लोगों को गैस चूल्हे भेंट करते।

विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा शनिवार को जिला के गांव अबोली, गोविंदपुरा, संत नगर, दिलीप नगर, दीवान खेड़ा, वैदवाला, मौजगढ़, सिकंदरपुर, नाथूसरी, हजीरा, भंगु, ढाबा में पहुंची। गांव दीवान खेड़ा व मौजगढ़ में सीओएसएएमबी के राष्ट्रीय चेयरमैन आदित्य देवीलाल, वेदवाला व सिकंदरपुर में पूर्व विधायक बलकौर सिंह, नाथूसरी व हंजीरा में योगेश शर्मा, भंगु व ढाबा में पूर्व विधायक बलकौर सिंह, अबोली, संतनगर, दलीप नगर व गोविंदपुरा में पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज ने यात्रा का स्वागत किया। सीओएसएएमबी के राष्ट्रीय चेयरमैन आदित्य देवीलाल ने कहा कि देश के सभी नागरिकों को मिलकर अलग अलग स्तर पर सहयोग के साथ भारत देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत एक बेहतरीन पहल है। इस यात्रा का उद्देश्य ना केवल लोगों को विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए जागरूक करना है बल्कि इसके माध्यम से लोगों की विभिन्न सरकारी योजनाओं को लेकर शिकायतों एवं त्रुटियों का भी मौके पर ही समाधान का प्रयास करना है।

कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना सहित अनेक योजनाओं के लाभार्थियों ने मेरी कहानी-मेरी जुबानी कार्यक्रम के तहत मंच के माध्यम से उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष अपने अनुभव साझा किए। इसके बाद कार्यक्रम अनेक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की भजन मंडली ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और ग्रामीणों को गीतों व भजनों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान उत्कृष्ट कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा जिलाध्यक्ष को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा को सम्मानित करते सीएम मनोहर लाल। फोटो : हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी हाई कमान द्वारा भाजपा जिला फतेहाबाद के अध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा को दूसरी बार जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने तथा पिछले कार्यकाल में सराहनीय सेवाएं देने के लिए चण्डीगढ़ में सीएम आवास संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सीएम आवास पर पहुंचे जिलाध्यक्ष स. बलदेव सिंह ग्रोहा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेशाध्यक्ष नायब सिंह सैनी व प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा को बुके भेंटकर उनका आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा को स्मृति चिन्ह स्वरूप भगवान श्रीकृष्ण सारथी रथ भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बलदेव सिंह ग्रोहा के पिछले कार्यकाल को सराहते हुए उनकी पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि बलदेव ग्रोहा ने पार्टी हाई कमान द्वारा मिली हर जिम्मेदारी को बड़ी सहजता से पूरा किया है। इस अवसर पर बलदेव ग्रोहा ने मुख्यमंत्री व पाटी हाई कमान को विश्वास दिलाया कि जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी दूसरी बार सौंपी है, वह उस विश्वास को कभी टूटने नहीं देंगे। जिस प्रकार धर्म युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के सारथी बने थे, उसी प्रकार आगामी चुनावों में आप जैसे सारथी यदि मेरा मार्गदर्शन करेंगे तो वह पार्टी को मजबूत बनाते हुए टोहाना, फतेहाबाद व रतिया तीनों विधानसभाओं व सिरसा लोकसभा की सीट को भाजपा की झोली में जरूर डालेंगे।

युवाओं को नशे से दूर रखना मकसद

- जननायक चौधरी देवीलाल ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट माधोसिंघाना ग्राउंड में आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। प्रतियोगिता की विजेता टीम को सम्मानित करते हुए अतिथि।

जजपा नेता अनिल कासनियां व अंजनी लढा ने कहा कि जेजेपी ने ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा तराशने के लिए ही क्रिकेट प्रतियोगिता के रूप में मंच प्रदान किया है। वे जननायक चौधरी देवीलाल ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट माधोसिंघाना ग्राउंड के तीसरे दिन शनिवार को प्रतियोगिता के अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान गांव बेहरवाला के सरपंच ओमप्रकाश ख्यालिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अनिल कासनियां व अंजनी लढा ने बताया कि जेजेपी का इस टूर्नामेंट को करवाने का मकसद युवाओं को नशे से दूर रखना है। उन्होंने बताया कि पूल मैचों के तीसरे दिन शनिवार को माधोसिंघाना मैदान पर पहला मैच अमृतसर कलां व कर्मशाना के बीच खेला गया जिसमें अमृतसर कलां ने जीत दर्ज की। दूसरा मैच पोहड़कां व भूर्टवाला के बीच खेला गया। इसके अलावा जमाल व चिलकनी ढाब के बीच तथा रूपावास व रामपुरा ढिल्लों के बीच भी मैच खेला गया। सरपंच ओमप्रकाश ख्यालिया ने कहा कि इससे न केवल युवाओं को खेल में अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा बल्कि युवा नशे से भी दूर रहेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य खेलों की भी ग्रामीण प्रतियोगता होनी चाहिए।

एक ही नारा एक ही नाम जय श्रीराम जय श्रीराम के लगे जयघोष

रघुनाथ मन्दिर कमेटी ने निकाली प्रभातफेरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। कलश यात्रा निकालते हुए मंदिर कमेटी के सदस्य । फोटो : हरिभूमि

रघुनाथ मन्दिर कमेटी ने शनिवार सुबह शहर के रामभक्तों के साथ रामजन्मभूमि अयोध्या से आये पीले चावलों से भरे अक्षत कलश के साथ प्रभातफेरी निकाली तथा कलश को श्री कृष्ण गौशाला मन्दिर से ले जाकर श्री रघुनाथ मंदिर में स्थापित किया। सर्वप्रथम अलसुबह रामभक्तों ने मंदिर प्रांगण में सामूहिक श्री राम नाम व श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद रघुनाथ मंदिर कमेटी व अन्य रामभक्त कलश के साथ प्रभात फेरी निकालते हुए रघुनाथ मंदिर पहुंचे तथा पवित्र कलश को वहां स्थापित किया। श्रद्धालुओं ने राम लला हम आएंगे, भव्य दर्शन पाएंगे तथा जय श्रीराम एवं अयोध्या तो इक झांकी है, मथुरा काशी बाकी है, के गगनभेदी जयघोष लगाए। इससे पूर्व श्रीकृष्ण गोशाला मन्दिर में राम भक्तों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक विजय चुघ तथा एडवोकेट विज्ञान सागर बाघला ने राम जन्मभूमि का इतिहास बताया और कहा कि सैंकड़ों सालों के इन्तजार के बाद पुनः राम लला की स्थापना हो रही है।

उन्होंने आगे बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का उद्घाटन हो रहा है तथा हम सब को भी पीले चावलों से बुलावा आया है। उन्होंने कहा कि हम सब 22 जनवरी को अपने नजदीक के मंदिर में जाकर इस ऐतिहासिक घड़ी के साक्षी बनेंगे। बता दें कि 22 जनवरी को अनेक मन्दिरों में अयोध्या में होने वाले कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा।

इस अवसर पर हरबंस खन्ना, विज्ञान सागर बाघला, सुभाष चुघ, विकास ग्रोवर, पुजारा लाल चुघ, विद्या सागर बाघला, संजू जांगड़ा, नितिन जैन, डॉ. अशोक मेहता, उमाकांत सिंगला, पारस सिंगला, कृष्ण जिंदल, सोनू ग्रोवर, सुखविंदर गोयल, टेक चन्द खुराना, मदन सेतिया, विनोद जग्गा, शाम तनेजा, सन्दीप ग्रोवर, शिव वधवा, राजेश सेतिया, अनिल कुमार, रमेश जताना सहित अनेक रामभक्त उपस्थित थे।

लायंस क्लब ने रामनिवास जैन की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों में बांटे कंबल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित करते लायंस क्लब सदस्य।

लायंस क्लब रतिया टाउन द्वारा शनिवार को स्वर्गीय रामनिवास जैन की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में डॉ. श्वेता जैन के परिवार के सहयोग से जरूरतमंद लोगों सर्दी से बचाव हेतु कंबल वितरित किए गए। क्लब के प्रधान विजय जिंदल ने जैन परिवार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नए कायार्ें से जहां जरूरतमंद की सेवा भी हो जाती है वहीं खुद को मानसिक संतुष्टि भी प्राप्त होती है, इसलिए जिंदगी में ऐसे नेक कार्य करते रहना चाहिए। डॉ. श्वेता जैन ने कहा कि उनके पिताजी ने अधिकतर समय रतिया में ही व्यतीत किया है, सदा जरूरतमंद की सेवा में अग्रसर रहे हैं। क्लब सचिव शिव सोनी ने बताया कि आज जैन परिवार के सहयोग से श्री कृष्ण गौशाला, श्री गुरु नानक गौशाला, श्री शिव भोले नंदी शाला व झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले 101 जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रधान विजय जिंदल, सचिव शिव सोनी, कोषाध्यक्ष सत्यप्रकाश जैन, सतपाल जिंदल, नरेंद्र ग्रोवर, पवन जैन, दीवान सेतिया, सुशील जैन, गौशाला प्रधान कृष्ण जिंदल, चंदगी राम, काला गर्ग आदि मौजूद रहे।

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र
भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम

सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में कौन चमकाएगा आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

- दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या
- शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद
- शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा
- बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया
- गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिएं। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

खबर संक्षेप

कृषि विभाग के कार्यालय में बैठक 15 जनवरी को

सिरसा। कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. सुखदेव सिंह ने बताया आगामी 15 जनवरी को एक बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक में पंजीकृत फामार्रें, एफपीओ, सीएचसी, ड्रोन पायलट को आमंत्रित किया गया है। बैठक के दौरान जिला के किसानों के खेतों में 7000 एकड़ ड्रोन/ ट्रैक्टर माउंटेड स्प्रे पंप आदि के माध्यम से नैनो यूरिया का छिड़काव करने के लिए आवेदन मांगे जाएंगे।

गोशालाओं में सेवादारों को वितरित किए कंबल

बरवाला। अखिल भारतीय सेवा संघ बरवाला शाखा के तत्वावधान में गर्म कंबल एवं वस्त्र वितरण अभियान लगातार जारी है। इस अभियान के संयोजक व प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र सेतिया ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ दुर्गा मंदिर बरवाला के प्रांगण में सभी सदस्यों ने हवन-यज्ञ करवा कर किया। सभी सातों गोशालाओं में सेवादार कर्मचारियों को गर्म कंबल वितरित किए गए।

मनचलों के खिलाफ कसा शिकंजा

हांसी। एसपी मकसूद अहमद के निर्देशानुसार सेफ सिटी कैंपेन के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान आज नारनौंद पुलिस ने हॉट स्पॉट स्थान पर पांच मनचलों पर की कार्रवाई। हांसी पुलिस द्वारा शनिवार को नारनौंद शहर में राजकीय कन्या विद्यालय के सामने महिलाओं व छात्रों पर फब्तियां कसने वाले 5 मनचलों पर कार्रवाई करते हुए उनके माता पिता को थाना में बुलाकर हिदायत दी।

सेवादारों को वितरित किए गर्म कंबल

हिसार। भवन निर्माण श्रमिक संघ हिसार मंडल हरियाणा संबंधित एटक प्रदेश कमेटी की मीटिंग एटक कार्यालय जिला हिसार में राज्य प्रधान विक्रम सिंह की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग का संचालन राज्य महासचिव विनोद कुमार ने किया। मीटिंग में प्रदेश व जिला कमेटी के सदस्य शामिल हुए। मीटिंग में मजदूरों की व समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया।

शिक्षा मंत्री से मिलेगा प्राइवेट स्कूल संघ

हिसार। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ ने बच्चों के भविष्य को देखते हुए प्रदेश सरकार से मांग की है कि अस्थाई स्कूलों पर जबरदस्ती थौंपी जा रही भारी भरकम गारंटी राशि की शर्त को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए ताकि इन स्कूलों में पढ़ रहे बच्चे बोर्ड परीक्षा से वंचित न रहे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल बुधवार दस जनवरी को चंडीगढ़ में शिक्षामंत्री से मुलाकात करेंगे।

हर घर में दीपावली मनाने का आह्वान

हिसार। शिव कालोनी के हनुमान मंदिर में अयोध्या से आए अक्षत (पीले चावल) का जय श्रीराम उद्घोष के साथ घर-घर जाकर लोगों को वितरित किए। भाजपा अर्बन मंडल मीडिया प्रभारी ऋषि गोयल ने बताया कि आमजन के साथ 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली श्री राम प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में हर घर में दीवाली मनाई जाएगी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धौलू में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

एनएसएस स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर प्रतिभा का किया प्रदर्शन

प्रियांशु और अजय श्रेष्ठ स्वयंसेवक चुने गए, स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धौलू में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शनिवार को समापन हो गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एनएसएस अधिकारी हरविंदर बागड़ी ने सप्ताह भर चले कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। सरपंच प्रतिनिधि सुनील कुमार और एसएमसी प्रधान राज बाला बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। सुनील कुमार ने कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति की अपनी भूमिका होती है। छात्र जीवन में एनएसएस से जुड़े विद्यार्थियों की समाज के प्रति जिम्मेदारी और जवाबदेही ज्यादा रहती है। सरपंच प्रतिनिधि सुनील कुमार और एसएमसी प्रधान राज बाला ने स्वयं सेवकों को इनाम वितरित कर सम्मानित किया। संचालन मुस्कान और संजय धारनिया ने किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रियांशु और अजय कुमार को श्रेष्ठ स्वयंसेवक चुना गया। मौके पर एसएमसी उपप्रधान राजकुमार, पंच जोगिंदर, अमर सिंह, मदन लाल, अनिता आदि मौजूद थे।

भूना। धौलू में शिविर के समापन पर प्रतिभागी स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए अतिथिगण।

भट्टूकलां। एनएसएस शिविर के समापन पर स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते अतिथिगण व स्कूल स्टाफ सदस्य।

विद्यार्थियों को बताए बिना तनाव के सफलता हासिल करने का टिप्स

भट्टूकलां। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल भट्टूकला में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आज समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन मुख्य वक्ता के रूप में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था से दीदी गीता ने बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि हमारे मूल संस्कार कौन से होते हैं। मूल संस्कार के अलावा संस्कार कौन-कौन से हैं। जीवन में बिना तनाव के सफलता हासिल कैसे करें और एकाग्रचित कैसे बनाएं। दीदी गीता ने बच्चों को भविष्य में कामयाब होने का आशीर्वाद दिया और विद्यालय में जाकर बच्चों को संबोधित करने पर खुशी व्यक्त करी।

एनएसएस शिविर में विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के दिए टिप्स

रतिया। राजकीय कन्या व.मा. विद्यालय रतिया में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के छठे दिन मुख्य वक्ता के तौर पर करियर काउंसलर व मोटिवेशनल स्पीकर धर्मेन्द्र गोस्वामी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन में सफल होने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने की सलाह देते हुए कहा कि अपने लक्ष्य की तरफ बढ़ने के लिए उन्हें निरंतर प्रयास करने चाहिए। आज के युग में प्रतिस्पर्धा अत्यधिक है, इस कारण विद्यार्थियों को डटकर मेहनत करनी चाहिए क्योंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। गोस्वामी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती है तथा इसके इलावा संसाधनों के अभाव में कैसे सफलता प्राप्त की जाती है, इसके बारे में भी एनएसएस के जरिए जाना जा सकता है। विद्यालय में पहुंचने पर गोस्वामी का प्रिंसिपल अवनीश गर्ग तथा स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर इंचार्ज स्नेहलता, बबीता रानी, कश्मीर सिंह, अमरीक सिंह तथा सुशील कुमार सहित अनेक शिक्षाविद मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर में विद्यार्थियों ने बनानी सीखी कठपुतली

रानियां। कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर के छठे दिन विद्यार्थियों ने कठपुतली बनाना सीखा। विशेष रूप से सिरसा से पहुंचे पंकज पसरीजा ने विद्यार्थियों को कठपुतली बनाना सिखाया। पंकज पसरीजा पेशे से अध्यापक हैं और सिरसा जिला में कठपुतली बनाने व सिखाने के लिए विख्यात हैं। सर्वप्रथम उन्होंने विद्यार्थियों को कठपुतली के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि कठपुतली रंगमंच का एक बहुत ही प्राचीन रूप है, जिसे पहली बार प्राचीन ग्रीस में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व देखा गया था। कठपुतली कई रूप लेती है, लेकिन वे सभी एक कहानी बताने के लिए निर्जीव प्रदर्शन करने वाली वस्तुओं को सजीव करने की प्रक्रिया को सांझा करती हैं। कठपुतली एक वस्तु है, जो अक्सर एक मानव, जानवर या पौराणिक आकृति से मिलती जुलती होती है, जिसे कठपुतली नामक व्यक्ति द्वारा एनिमेटेड या संचालित किया जाता है। उन्होंने कहा कि दो सरल प्रकार की कठपुतलियां हैं, फिंगर पपेट, जो एक छोटी कठपुतली है और एक उंगली पर फिट होती है और सॉक पपेट, जो मौजे के अंदर अपना हाथ डालकर बनाई और संचालित की जाती है, जिसमें हाथ का खुलना और बंद होना अनुकरणीय होता है। जुराब कठपुतली एक प्रकार की हाथ की कठपुतली है, जिसे एक हाथ से नियंत्रित किया जाता है, हाथ कठपुतली के अंदरूनी हिस्से पर कब्जे कर लेता है और कठपुतली को चारों ओर घुमाता है। कठपुतली शैक्षिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है और यह शिक्षण के सामान्य तरीके का विकल्प प्रदान करने में प्रभावी साबित हुई है, जो बच्चों को अक्सर थकाऊ लगता है। कम उम्र में छात्र पाठ के बजाय दृश्यों से अधिक आकर्षित होते हैं, यही कारण है कि एनीमेशन को आधुनिक शिक्षा में शिक्षण के एक उपकरण के रूप में शामिल किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने बच्चों को मौजों से बनने वाले पपेट्स बनाने सिखाए। विद्यार्थियों ने बड़ी रुचि से पपेट्स बनाना सीखा।

जननायक जनता पार्टी की जान हैं कार्यकर्ता

हिसार। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने शनिवार को एक दिवसीय दौरा कार्यक्रम के तहत नलवा हलका के भोजराज, कालवास, हरिता, कैमरी सहित आधा दर्जन गांवों में जनसभाओं को संबोधित किया। जनसभाओं में संबोधित करते हुए डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जजपा का प्रत्येक निष्ठावान कार्यकर्ता पार्टी की जान है। कार्यकर्ता किसी भी राजनीतिक दल की रीढ़ होते हैं। पार्टी की रीढ़ जितनी मजबूत होगी सत्ता की चौखट उतनी ही नजदीक होगी। इसलिए जजपा का एक-एक कार्यकर्ता आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए जी-जान से जुट जाएं।

इस मौके पर जजपा जिलाध्यक्ष अमित बूरा, जिला प्रभारी मास्टर ताराचंद, नलवा हलकाध्यक्ष राजेश झाझड़िया, जेजेपी पूर्व प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी, धर्मपाल एक्सइन, सुनील मुंड, डॉ. अजीत, कृष्ण गंगवा, अनिल शर्मा, एडवोकेट मनदीप बिश्नोई, राजबीर कासवां,

पुलिस अधीक्षक ने किया अग्रोहा थाना का निरीक्षण

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने थाना प्रभारियों, अनुसंधानकर्ताओं व अन्य अधीनस्थों को निर्देश दिए हैं कि थाना में आने वाली शिकायतों को दर्ज करके उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अपनी ड्यूटी जिम्मेवारी से निभाएं। एसपी मोहित हांडा शनिवार को जिले के थाना अग्रोहा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर पुलिस बल को आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने थाने का रिकॉर्ड, मालखाना, आपराधिक रिकॉर्ड का निरीक्षण के साथ साइबर डेस्क व महिला डेस्क की जांच की। उन्होंने थाने के मुंशी कक्ष और शस्त्रागार में रखे असलहे

वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सर्दियों में घने कोहरे के कारण सड़क हादसों में काफी बढ़ोतरी हो जाती है। ऐसे हादसों को रोकने को लेकर रोटरी क्लब अहलीसदर द्वारा शनिवार को फतेहाबाद में एक विशेष अभियान चलाकर वाहनों पर रिफ्लैक्टर लगाए गए। क्लब प्रधान पवन कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के अंर्तगत क्लब सदस्यों द्वारा फतेहाबाद अनाज मण्डी व अन्य बाजारों में ट्रैक्टर-ट्रालियों, ऑटो, पिकअप व अन्य गाड़ियों पर जहां रिफ्लैक्टर लगाए गए वहीं वाहन चालकों से कोहरे को देखते हुए विशेष सावधानियां बरतने व यातायात नियमों का पालन करने का भी आह्वान किया गया। क्लब प्रधान पवन कुमार ने बताया कि घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो जाती है और सड़क हादसे होते हैं। वाहनों पर अगर रिफ्लैक्टर लगे हो तो धुंध या रात के समय होने वाले हादसों को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि क्लब द्वारा आज जहां सैंकड़ों वाहनों पर रिफ्लैक्टर लगाए गए हैं वहीं आगामी समय में भी इस तरह के अभियान को जारी रखा जाएगा।

फतेहाबाद। वाहनों पर रिफ्लैक्टर लगाते रोटरी क्लब अहलीसदर के सदस्य।

युवाओं को नशे के खिलाफ किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने शनिवार को गांव खैरेकां में ग्राम पंचायत खैरेकां, यूथ क्लब एसोसिएशन व लक्ष्य क्लब खैरेकां की ओर से आयोजित हैंडबॉल खेल प्रतियोगिता में बतौर मुख्यअतिथ शिरकत की। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अपनी ऊर्जा शिक्षा व खेलों में लगाएं तथा अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने मां-बाप तथा इलाके का नाम रोशन करें। नशे के खिलाफ चलाए जा रही मुहिम में आमजन आगे आकर अग्रणी भूमिका निभाए तथा और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि नशा को समाज से पूरी तरह से नष्ट किया जा सके। उन्होंने उपस्थित युवाओं से आह्वान किया कि वे नीरज चोपड़ा जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानकर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जिला भर में युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए जिला स्तर पर वॉलीबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी बास्केटबॉल आदि टीमों का गठन किया गया है। पुलिस जवान लगातार खेल गतिविधियों में भाग लेकर उन्हें नशे से दूर रहने का संदेश दे रहे हैं। एसपी ने बताया कि जिला पुलिस नशे के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाए हुए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सभी लोगों से कहा कि नशा के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में सराहनीय करने वाले युवाओं तथा ग्रामीणों को सम्मानित भी किया जाएगा। डीएसपी जगत सिंह मोर, हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महेंद्र कंबोज, सुरक्षा शाखा प्रभारी प्रेम कुमार, गांव के सरपंच सुमन समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सिरसा। गांव खैरेकां में ओजित खेल प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों से मिलते एसपी विक्रांत भूषण। फोटो :हरिभूमि

30 छात्राओं को मिला कल्पना चावला अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहर के हिसार रोड स्थित रॉयल हवेली में बीते दिवस इब्रो इंडिया द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें हरियाणा शिक्षा बोर्ड की 30 मेधावी छात्राओं को कल्पना चावला अवार्ड से किया सम्मानित किया है । इब्रो इंडिया यह सम्मान प्रदेश की मेधावी छात्राओं को पिछले सात सालों से दे रही है और कंपनी यह सूचि भिवानी बोर्ड से लेती है। अब की बार क्योंकि सबसे अधिक छात्राएं सिरसा जिले से सम्बन्धित थी इसलिए यह कार्यक्त्रम सिरसा में रखा गया। इस सम्मान के तहत टॉप पांच छात्राओं को एक एक लाख व उसके बाद पचीस छात्राओं को इक्कीस इक्कीस हजार की पुरस्कार राशि वितरित की गई। कार्यक्त्रम की अध्यक्षता उत्तर क्षेत्र के संघचालक डॉ. सीता रामव्यास ने की, जबकि मुख्य अतिथि के तौर पर ओडिसा के पूर्व रा'यपाल गणेशी लाल शामिल हुए। इस मौके पर सिरसा के संघचालक डॉ. सुरेंदर मल्होत्रा, सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल, डॉ. सागर केहरवाला, जगदीश चोपड़ा, सुरेंदर आर्य, भिवानी बोर्ड के चेयरमैन वीपी यादव, भूपेंदर धर्माणी, अधिवक्ता राजेंदर केहरवाला, राजेंदर रातुसरिया, एब्रो इंडिया के पदाधिकारी सतीश कुमार व संजय शर्मा, जयकरन कटारिया, पिनेश बागड़ी, भूप रिणवा, ओम प्रकाश जोगपाल, लीलू शर्मा, तरसेम झोरड़रोही उपस्तिथ रहे।

मुख्य वक्ता डॉ. सीता राम व्यास ने कहा कि इब्रो इंडिया ने ये कार्य करके समाज में सकरात्मक परिवर्तन करने का काम किया है। इब्रो इंडिया इस कार्य के लिए बधाई की पात्र है। आज का कार्यक्त्रम हमें ये सन्देश देता है कि देश के लिए हमे भी कुछ करना चाहिए। समाज के लिए कार्य करना हर किसी के बस की बात नहीं और मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म ही समाज सेवा करना है।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर गणेशी लाल ने कहा कि इब्रो इंडिया सौभाग्यशाली है कि बेटियों को उनकी उपलब्धि पर सम्मानित करने का मौका उसे मिल रहा है। साथ साथ में इब्रो बधाई की पात्र भी है कि उन्हें इस तरीके की सोच आई ।

सिरसा। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता। फोटो :हरिभूमि

सेल्फ मोटिवेशन बहुत जरूरी :यश केहरवाला

बेटियां हमेशा से पूजनीय है और उनका अभिनन्दन कर अपने आप को सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। सेल्फ मोटिवेशन बहुत जरूरी है क्यूंकि एक आम स्कूल में पाकर कल्पना चावला ने जो मुकाम हासिल किया वो उसी स्कूल में पाने वाले और छात्र शायद नहीं कर पाए। इब्रो इंडिया के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी यश केहरवाला ने कहा कि इब्रो की यही सोच रही है कि जिस समाज में हम अपना कार्य करते हैं उस समाज को वापिस कुछ न कुछ देना चाहिए।

जल संरक्षण का अर्थ है जल के प्रयोग का घटाना: पवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

- एनएसएस स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर पेड़-पौधों का रंगरोगन किया

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नुहियांवाली में जारी शीतकालीन सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर छठे दिन सरस्वती वंदना, प्रार्थना व योग के साथ शुरु हुआ। शिविर प्रभारी पवन देमीवाल ने बताया कि आज स्वयंसेवकों ने श्रमदान के तहत विद्यालय के पेड़-पौधों के सफेदी, गमलों व उ'जल वाटिका के रंग रोगन किया ताकि गमले सुंदर लगे और सफेदी के कारण पेड़-पौधों को दीमक से बचाया जा सके। पवन ने स्वयंसेवकों को जल सरंक्षण के बारे बताते हुए कहा कि जल सरंक्षण का अर्थ है जल के प्रयोग का घटाना क्योंकि जल जीवन का आधार है। यह हमारे स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, सफाई और वनस्पति के विकास के लिए आवश्यक है। हमें जल को बचाना चाहिए नहीं तो हमारा जीवन खतरे में पड़ जाएगा। जल बचाव में फर्श धोने के स्थान पर पोचा लगाना, नलों को बंद करना, ब्रुश व सेविंग करते समय नल बंद कर देना, कहीं लीक हो तो उसे बंद करना व लोगों को जागरूक करना चाहिए। इस अवसर पर शिविर प्रभारी पवन देमीवाल, रोहताश गोदारा, पीटीआई विजेन्द्र कुमार, संतोष, गीता व रामेती देवी उपस्थित रहे।

सिरसा। नुहियांवाली स्कूल में पेड़ पौधों पर सफेदी करती हुई छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

महामंडलेश्वर स्वामी यमुनापुरी महाराज ने शिव कथा सुनाई

भाव के भूखे हैं भगवान : स्वामी यमुनापुरी

- रामनिवास मोहल्ला स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भगवान अहंकार में किए गए दान की बजाय भव से अर्पित किए गए फूलों को स्वीकार करते हैं क्योंकि भगवान अपने भक्त द्वारा चढ़ाए गए चढ़ावे की अपेक्षा किस भाव से अर्पण किया गया है, उसको देखते हैं। यह बात महामंडलेश्वर स्वामी यमुनापुरी महाराज ने कही। वो रामनिवास मोहल्ला स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में पंडित तुलसीदास (रामानंद सरस्वती) के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिव कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन कर रहे थे। स्वामी गोपालानंद की अध्यक्षता में आयोजित शिव कथा आयोजन 9 जनवरी तक होगा। मंदिर प्रबंधन कमेटी सदस्य जगत रुखाया ने बताया कि 9 जनवरी को समापन अवसर पर सांसद सुनीता दुग्गल, विधायक दुड़ाराम बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे जबकि समजासेवी देवीदयाल तायल, सुभाष गर्ग, सत्यप्रकाश गुप्ता, राकेश बंसल, शाम लाल बांगा, अनिल मेहता हिसार, कृष्ण झांब, हरीश झांब, पवन आहूजा एडवोकेट, और सुरेंद्र बतरा बतौर विशिष्ट अतिथि भाग लेंगे।

फतेहाबाद। श्री सनातन धर्म मंदिर में प्रवचन करते महामंडलेश्वर स्वामी यमुनापुरी महाराज।

मनुष्य को अपने मन और बुद्धि को नियंत्रित करना चाहिए

प्रवचन करते हुए स्वामी यमुनापुरी महाराज ने भगवान शिव की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जब सागर मंथन के दौरान विष निकला तो देवताओं और राक्षसों ने किसी ने भी उसे स्वीकार नहीं किया जबकि भगवान ने उस विष को अपने कंठ में धारण किया, इसलिए भगवान शिव को नीलकंठ महादेव भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने मन और बुद्धि को नियंत्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुख के समय हम 'यादा फूल और जाते है और दुख के समय फूट जाते हैं, इसका अर्थ है कि हम अपनी बुद्धि को नियंत्रित नहीं रख पाए। भगवान शिव श्रद्धाभाव से अर्पित किए एक पानी के लौटे से भी प्रसन्न हो जाते है तथा अपन भक्तों का उद्धार करते हैं। इस अवसर पर लख्मीचंद सरदाना, विजय बांगा, प्रवीण जिंदल एडवोकेट, बबनू जिंदल एडवोकेट, डॉ. हंसराज कथूरिया, पूर्व पार्षद राकेश गंभीर, पंडित राकेश शर्मा, पंडित मोनू, सतीश वधवा, हंसराज असीजा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संतों को आने लगे निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अयोध्या में भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने की कड़ी में सिरसा में भी संतों को निमंत्रण दिए जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी कड़ी में जिला में मल्लेवाला से हरि रामदास महाराज व जीवन नगर से सतगुरु दलीप सिंह को शनिवार को विश्व हिंदु परिषद की टीम द्वारा निमंत्रण पत्र सौंपे गए। इस टीम में प्रांत के सहमंत्री सुशील कुमार, नगर प्रसार से उत्तम सिंह मेहता, हिसार से राजेंद्र, सिरसा से हरीकिशन गोयल, बृजमोहन शर्मा, नथोर से भीम व कुत्ताबढ़ से विनोद शामिल रहे। इस मौके पर प्रांत के सहमंत्री सुशील कुमार ने बताया कि सनातन धर्म में 22 जनवरी 2024 का दिन सुनहरे अक्षरों में दर्ज किया जाएगा, क्योंकि इस दिन सालों बाद अयोध्या में रामलला अपने भव्य राम मंदिर में विराजमान होंगे। पूरी दुनिया इस ऐतिहासिक पल की साक्षी बनेगी। इस ऐतिहासिक दिन के उपलक्ष्य में देशभर में महादीपावली मनाई जाएगी। इस दिन को और ऐतिहासिक व खास बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर है। घर-घर जाकर आमजन के साथ-साथ साधु संतों को भी निमंत्रण दिया जा रहा है, ताकि जनता इस ऐतिहासिक क्षण को अपनी आंखों से देखे, क्योंकि अभी तक ये क्षण महज एक सपना ही था, लेकिन वर्तमान सरकार ने सपने को साकार कर दिखाया।

सूचना

मैं, विनय कुमार पुत्र रमेश चन्द निवासी गांव गदली पोस्ट ऑफिस चूली बागड़ीयान तहसील भट्टू जिला फतेहाबाद बयान करता हूं कि मेरी लड़की आरजू मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं उसे अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके द्वारा किए गए लेन-देन व अच्छे-बुरे कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेवार होगी। आज के बाद मेरा व मेरे परिवार का उससे कोई ताल्लुक वा वास्ता नहीं है।

नाम परिवर्तन

मैं, निर्मल सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी वार्ड नं. 12 ग्राम साधनवास तहसील टोहाना जिला फतेहाबाद राज्य हरियाणा भारत, घ्यान करता हूँ कि गलती से मेरे पासपोर्ट नंबर L0623339 में मेरे पिताजी का नाम ज्ञान सिंह (Gian Singh) और माता का नाम मोहिंदर कौर (Mohinder kaur) लिखा गया है। जबकि वास्तविक में मेरे पिताजी का नाम ज्ञान सिंह (Gyan Singh) और माता का नाम महिंदर कौर (Mahinder Kaur) है। तथा अपने पासपोर्ट में अपना पता बदलना चाहता हूँ।

खबर संक्षेप

15 को निकाला जाएगा शहर में नगर कीर्तन

रतिया। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित प्रभातफेरी सेवा सोसायटी व समूह संगत द्वारा पुराना बाजार स्थित गुरुद्वारा साहिब से लगातार प्रभातफेरियां निकाली जा रही हैं। प्रभातफेरी गुरुद्वारा से आरंभ होकर सेवक परिवार के निवास पर पहुंच रही है। 13 जनवरी तक प्रभातफेरियां निकाली जाएंगी। 15 जनवरी को नगर कीर्तन निकाला जाएगा।

चार प्लेयर का अंडर-14 फुटबॉल टीम में चयन

फतेहाबाद। खेल विभाग द्वारा भूना में संचालित की जा रही रिहायशी फुटबॉल अकेडमी के चार खिलाड़ियों का चयन हरियाणा की अंडर-14 फुटबॉल टीम में चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ी झारखंड के रांची में 17 से 21 जनवरी को होने वाली नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इन खिलाड़ियों के चयन पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर व जिला खेल अधिकारी राजबाला ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विशाल भाट बने इनेलो के युवा हलकाध्यक्ष

सिरसा। फूलकां निवासी विशाल भाट को इनेलो के सिरसा युवा हलकाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपनी नियुक्ति पर विशाल भाट ने विधायक अभय सिंह चौटाला, जिला परिषद चेयरमैन कर्ण चौटाला, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मवीर नैन, युवा जिलाध्यक्ष भगवान सिंह कोटली सहित पार्टी के तमाम नेताओं का आभार व्यक्त किया। विशाल भाट ने कहा कि पार्टी की ओर से जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उस पर वे पूरी तरह से खरा उतरेंगे।

दो युवक अवैध पिस्तौल व कारतूस सहित काबू

डबवाली। एंटी नारकोटिक्स सेल डबवाली पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान गांव मौजगढ़ क्षेत्र से दो युवकों को एक अवैध पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। नारकोटिक्स सेल डबवाली के प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि मुख्य सिपाही रमेश कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान गांव मौजगढ़ में मौजूद थी। आरोपियों की पहचान जसप्रीत सिह उर्फ गौरी पुत्र भगवान सिंह व सनदीप उर्फ सीपा पुत्र काला सिंह निवासी मौजगढ के रुप में हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस के नेताओं ने जनसंपर्क अभियान तेज किया

टोहाना सीट से टिकट के लिए दावेदार अभी से ठोक रहे ताल

आकाश गर्ग ▶▶| फतेहाबाद

इस वर्ष में होने वाले विधानसभा चुनाव में टोहाना विस क्षेत्र से चुनाव लड़ने की मंशा पाले बैठे स्थानीय नेताओं की चहलकदमी बढ़ी नजर आ रही हैं। टोहाना सीट से टिकट को लेकर कांग्रेस में अभी से मारामारी मची हुई है। राज्य में चर्चित टोहाना विस क्षेत्र से आधा दर्जन से अधिक नेता टिकट की प्रतीक्षा में हैं। सूत्र बताते हैं कि टिकट को लेकर नेताओं द्वारा हाईकमान तक दौड़भाग भी शुरू कर दी गई है।

टिकट के लिए मारामारी: विस चुनाव में टोहाना क्षेत्र से टिकट को लेकर कांग्रेस में संघर्ष रहेगा। इसके विपरित अन्य राजनीतिक दलों में अभी ऐसी स्थिति नहीं है। भले ही फिलहाल विस चुनाव को लेकर कोई हलचल शुरू नहीं हुई है, लेकिन टोहाना विस क्षेत्र में चुनाव की हवा धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ने लगी है।

नेता न केवल अंदरखाने तैयारियों में जुटे हैं बल्कि कुछ नेता लोगों में पहुंचकर स्वयं को कांग्रेस का भावी प्रत्याशी होने का दावा कर प्रचार प्रसार कर रहे हैं। टिकट की होड़ में नेता अपने नाम के बड़े-बड़े बैनर लगाकर मतदाताओं और हाईकमान को लुभाने में जुटे हैं। इंटरनेट पर भी नेताओं ने सक्रियता बढ़ा दी है। कुछ नेता स्वयं को समाजसेवी बताते हुए समाजसेवा के नाम पर भी जमकर पैसा खर्च कर रहे हैं। टोहाना विस सीट के राजनीतिक इतिहास की बात करें तो यहां पर 1968 से लेकर अबतक के चुनाव में ज्यादातर कांग्रेस का दबदबा ही रहा हैं जबकि बीजेपी और इनेलो यहां से एक एक बार ही जीत हासिल कर खाता खोल पाई है।

टोहाना से कब कौन बना विधायक

वर्ष	पार्टी	विधायक
1967	कांग्रेस	हरपाल सिंह
1978	विशाल हरियाणा पार्टी	हरपाल सिंह
1972	कांग्रेस	हरपाल सिंह
1977	जनता पार्टी	कर्म सिंह डांगरा
1982	कांग्रेस	हरपाल सिंह
1987	माकपा	हरपाल सिंह
1991	कांग्रेस	हरपाल सिंह
1996	समता	विनोद मडिया
2000	इनेलो	निशान सिंह
2004	कांग्रेस	परमवीर सिंह
2009	कांग्रेस	परमवीर सिंह
2014	बीजेपी	सुभाष बराला
2019	जेजेपी	देवेंद्र बबली

इस बार भी विद्रोह का डर

बीते विस चुनाव में टोहाना सीट से देवेंद्र बबली कांग्रेस की टिकट के लिए प्रबल दावेदार माने जा रहे थे, परंतु ऐन मौके पर उनकी टिकट काटकर कांग्रेस ने पूर्व विधायक परमवीर को चुनावी मैदान में उतार दिया था। इसके बाद पाला बदले देवेंद्र बबली जेजीपी की टिकट से चुनाव लड़कर विजेता बने थे। कांग्रेस द्वारा बबली का ऐन मौके टिकट काटने पर उनके समर्थक विरोध करते हुए दिल्ली तक पहुंच गए थे। पिछली बार जैसी स्थिति इस बार उत्पन्न न हो, इसे लेकर कांग्रेस को चुनाव में अपने प्रत्याशी की घोषणा करना टेढ़ी खीर होगा।

रोचक होगा मुकाबला

टोहाना से इस समय जेजेपी पार्टी के देवेंद्र सिंह बबली विधायक हैं, वहीं भाजपा के पूर्व विधायक और प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला भी टोहाना क्षेत्र से ही हैं। इससे पहले सुभाष बराला यहीं से चुनाव लड़ते आएं हैं। इस बार गठबंधन होने के कारण स्थिति असमंजस में है। बता दें कि देवेंद्र बबली यह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वो टोहाना से ही चुनाव लड़ेंगे, वहीं सूत्रों की मानें तो सुभाष बराला भी हर सूरत में टोहाना से ही चुनाव लड़ेंगे। पिछली स्थिति के मद्देनजर देवेंद्र बबली टोहाना विस क्षेत्र में अच्छे खासे लोकप्रिय हैं। ऐसे में जेजेपी पार्टी देवेंद्र बबली को ही यहां से चुनावी मैदान में उतारने के लिए प्रयासरत होगी।

टिकट की होड़ में यह नेता

टोहाना विस क्षेत्र से कुछ समय पहले तक शांत नेता हरपाल बुढ़ानिया गत दिनों से समाजसेवा कायार्ें और पार्टी के प्रचार प्रसार में जुटे हैं। इसके अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला के खासमखास माने जाते बलजिंद्र सिंह ठरवी भी टिकट की लाइन में हैं। टोहाना विस क्षेत्र से बाबा भोलेनाथ भी पिछले काफी समय से पार्टी के लिए कार्य कर रहें हैं, उनकी निगाह भी कांग्रेस की टिकट पर हैं।

पूर्व विधायक पर भी नजर

कांग्रेस पार्टी में पुराने समय से जुड़े पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री परमवीर सिंह शांत रहकर इस बार में सियासत में भूचाल ला सकते हैं। भले ही वो अभी बिल्कुल शांत बैठे हैं जबकि क्षेत्रवासियों में चर्चा है कि टोहाना से परमवीर की टिकट कटना आसान कार्य नहीं है। परमवीर का परिवार पिछले लंबे अर्से से कांग्रेस पार्टी से जुड़ा है। 2019 के विस चुनाव की बात करें तो देवेंद्र बबली ने बतौर कांग्रेस पार्टी के भावी उम्मीदवार होने के नाम पर अपनी जीत के लिए अथक मेहनत की थी।

चौटाला 9 को पिरथला का दौरा करेंगे

फतेहाबाद। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला 9 जनवरी को एक दिन के दौरे पर फतेहाबाद जिला में अनेक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। इस बारे जानकारी देते हुए जननायक जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र लेगा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला 9 जनवरी को सुबह 10 बजे पिरथला, साढ़े 12 बजे भोडी, 1:30 बजे गोरखपुर, 2:30 बजे बनगांव, 3:30 बजे भोड़िया खेड़ा और साढ़े 4 बजे ढाणी इस्सर में जनसभाओं को संबोधित करेंगे और लोगों की समस्याएं सुनेंगे। गांव पिरथला में 9 जनवरी को होने वाले प्रोग्राम का जजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंदर लेगा और अन्य नेताओं ने गांव में पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस अवसर पर जेजेपी प्रदेश प्रवक्ता जतिन खिलेरी, सरपंच रामकुमार, ओमप्रकाश गोदारा, ब्लॉक समिति प्रतिनिधि चुन्नीलाल, रोहताश नैन, विक्रम डेलू मौजूद रहे।

भगवान पार्श्वनाथ जयंती आज मनाई जाएगी

- श्रद्धालु तैयारी में जुटे , लंगर भी लगाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ जी की जयंती 7 जनवरी रविवार को फतेहाबाद में जैन श्रद्धालुओं द्वारा धूमधाम से मनाई जाएगी। जैन स्थानक फतेहाबाद में विराजमान गुरनी मैया श्रुति जी महाराज, तारामणि जी महाराज, निधि जी महाराज श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए भगवान पार्श्वनाथ के जीवन पर प्रकाश डालेंगी। यह जानकारी देते हुए जैन सभा प्रधान संजीव जैन व मुकेश प्रजापति ने बताया कि जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी का जन्म आज से लगभग 3 हजार वर्ष पूर्व पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था। भगवान पार्श्वनाथ ने अहिंसा का दर्शन दिया और बताया कि अहिंसा सबके जीने का अधिकार है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से रविवार को मनाए जाने वाले जयंती कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लेने और गुरूओं के दर्शन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए लंगर प्रसाद की भी व्यवस्था की गई है।

सर्वधर्म एकता का हुआ उद्घोष

- ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर मेकं कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

ब्रह्माकुमारीज की ओर से आनंद सरोवर परिसर में सनातन संस्कृति की बुनियाद आध्यात्मिकता विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें हरियाणा, राजस्थान, पंजाब के विभिन्न संतों, कई धार्मिक संप्रदायों के प्रमुखों ने भाग लिया। संस्थान की ओर से सभी को सम्मानित भी किया गया। सम्मेलन में मुख्यातिथि साध्वी तंभरा ने कहा कि पूरे विश्व में सुख-शांति के लिए प्रार्थना करना और एक ईश्वर की संतान के नाते से वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ सबके साथ व्यवहार में आना सनातन संस्कृति का मुख्य संदेश है जिसका हमें अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने सभा को आध्यात्म का सुंदर संगम बताते हुए कहा कि जब हम जाति पाति, तेरा मेरा के भाव से ऊपर उठकर आपसी एकता, समभाव और समान दृष्टिकोण से विचरण करेंगे तो संसार सेहर प्रकार की शारीरिक और मानसिक व्याधियां समाप्त हो जाएंगी। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्थान के साथ मिलकर एक ही मंच से मानव कल्याण के कायार्ें को करने की इच्छा प्रकट की। सम्मेलन के मुख्य वक्ता राजयोगी बी.के. रामनाथ ने कहा कि सनातन संस्कृति शाश्वत है जो सृष्टि के आदि काल से मनुष्य को जागृत और सशक्त करती आ रही है।

सिरसा। ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर आश्रम में उपस्थित विभिन्न संत व अन्य।

प्रदेश से बेरोजगारी खत्म करेंगे : करण

- 21 को कैथल में होने वाले युवा न्याय सम्मेलन का न्योता दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कैथल में 21 जनवरी को होने वाला युवा इनेलो के प्रदेश स्तरीय 'युवा न्याय सम्मेलन' ऐतिहासिक होगा और इस सम्मेलन के साथ प्रदेश की युवा शक्ति प्रदेश सरकार को जड़ से उखाड़ फैंकने के लिए चुनावों में जुटने का आगाज करेगी। यह बात युवा इनेलो के प्रदेश प्रभारी करण चौटाला ने फतेहाबाद की जाट धर्मशाला में जिला स्तरीय युवा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन में जिलेभर से भारी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में करण चौटाला द्वारा जहां कार्यकर्ताओं को युवा न्याय सम्मेलन का निमंत्रण दिया गया वहीं उनकी ड्यूटियां भी लगाई गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए करण चौटाला ने प्रदेश सरकार को हर मामले में फेल करार दिया। उन्होंने कहा कि चुनावों में हर साल लाखों युवाओं को रोजगार देने का दावा करने वाली भाजपा के राज में हरियाणा देशभर में बेरोजगारी के मामले में पहले स्थान पर पहुंच गया है। आज प्रदेश के पढ़े-लिखे युवा नौकरी के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। प्रदेश सरकार की गलत नीतियों के कारण कोई निवेश नहीं हो रहा, जिससे युवाओं को नौकरियां मिल सके। नौकरी न मिलने से हताश युवा आज विदेशों का रूख कर रहे हैं। यह सरकार रोजगार देने की बजाय पहले से काम कर रहे युवाओं की नौकरियां छीनने में लगी है। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला के शासनकाल में युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया गया था, जिसका खामियाजा उन्हें जेल जाकर भुगतना पड़ा। आगे भी इनेलो सरकार बनने पर युवाओं को पूरी नौकरियां दी जाएंगी, जहां उन्हें दोबारा जेल जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रदेश पर लगे बेरोजगारी के कलंक को केवल इनेलो की साफ कर सकती है।

फतेहाबाद। युवा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते करण चौटाला।

फिंगर प्रिंट क्लोन तैयार कर खाते से पैसे निकालने का प्रयास, केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

चोर भी अब हाईटैक टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसा ही एक मामला टोहाना शहर में सामने आया है। यहां चोरों ने एक मकान में घुसकर मोबाइल व लैपटॉप चुराया और लैपटॉप से फिंगर प्रिंट का क्लोन तैयार कर उसके बैंक खाते से रुपये चुराने की कोशिश की गई। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मास्टर कालोनी, रतिया रोड, टोहाना निवासी बलदेव सिंह ने कहा है कि रात को वह अपने मोबाइल को चार्जिंग पर लगाकर सो गया था। रात को जब वह उठा तो उसने देखा कि वहां से उसका मोबाइल गायब था। इस पर उसने आसपास तलाश की लेकिन मोबाइल का पता नहीं चला। बाद में उन्होंने तलाशी में पाया कि घर की छत पर रखे 3 जोड़ी जूते और एक लैपटॉप भी घर पर नहीं था। उसने बताया कि अज्ञात चोर उसके मकान में घुसकर 2 मोबाइल फोन, 3 जोड़ी जूते व लैपटॉप चोरी करके ले गए है। अब उसे पता चला कि चोर द्वारा उसके लड़के के चोरी हुए लैपटॉप से उसके फिंगर प्रिंट का क्लोन तैयार किया और फिंगर प्रिंट के क्लोन को किसी बॉयोमैट्रिक डिवाइस पर सत्यापित किए तथा उसके लड़के के खाते से एईपीएस से पैसे निकालने की कोशिश की गई है। उसने आरोप लगाया कि उसके मकान के पीछे रहने वाले जशनप्रीत सिंह पर चोरी का आरोप लगाया है।

अतिथि अध्यापकों पर लाठीचार्ज की निंदा

- अतिथि अध्यापकों ने बैठक कर रोष जताया, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

अतिथि अध्यापकों की बैठक जिला प्रधान इंद्रजीत सिंह की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के पार्क में हुई। इस बैठक में यमुनानगर में अतिथि अध्यापकों पर हुए लाठीचार्ज पर रोष जताते हुए सरकार के इस रवैये की निंदा की गई। उन्होंने अतिथि अध्यापकों से अपील करते हुए कहा कि अपने हकों की लड़ाई के लिए 10 जनवरी को जगाधरी में होने वाली आक्रोश रैली में बढ़ चढ़कर भाग लें। इस रैली में आगामी संघर्ष के लिए बड़ा फैसला लिया जाएगा। जिला प्रधान इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अतिथि अध्यापक लंबे समय से अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। अतिथि अध्यापकों के सरकारी स्कूलों में सेवाएं देने के बाद सरकारी स्कूलों के रिजल्ट में काफी सुधार आया है। इसके बावजूद भाजपा सरकार इन अतिथि अध्यापकों की ओर सहानुभूति नहीं दिख रही है। भाजपा सरकार ने भी पूर्व की सरकारों की तरह केवल खोखले वादे ही किए हैं। उन्होंने सरकार को याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने से पूर्व अतिथि अध्यापकों को पहले कलम से पहले कलम से पक्का करने का वादा किया था जिसे अब प्रदेश सरकार भूल चुकी है। उन्होंने कहा कि अपने हकों के लिए यमुनानगर में आवाज उठाने वाले अतिथि अध्यापक को दबाने के लिए भाजपा सरकार ने उन पर लाठी चार्ज किया जो कि अन्याय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर के अतिथि अध्यापक अपनी मांगों के लिए आने वाली 10 जनवरी को जगाधरी में एकत्रित होकर संपूर्ण रूप से एक मत होकर सरकार की नीतियों के खिलाफ निर्णय लेंगे। उन्होंने सरकार को चेताते हुए कहा कि यदि सरकार ने अतिथि अध्यापकों की सुध नहीं ली तो आने वाले चुनाव में इसके परिणाम भुगतने होंगे। इस अवसर पर कप्तान आर्य, ब्लॉक प्रधान राजकुमार नारंग, भट्ठू प्रधान वकील कुमार, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र गर्ग लवली, सर्वजीत, रजनी, विद्यावंती, शालिनी, महंगा राम, लादेश, रणधीर सिंह व कुलदीप लोहान आदि मौजूद थे।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते अतिथि अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

नौकर रखने पर पुलिस वैरिफिकेशन जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला पुलिस प्रशासन ने आमजन को आपराधिक घटनाएं रोकने में मदद के लिए अपने घरों अथवा प्रतिष्ठानों पर नौकर अथवा किराएदार रखने से पूर्व उनकी पुलिस वैरिफिकेशन को अनिवार्य बताया है।

साथ ही हिदायत भी दी है कि यदि मालिक इसमें लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि आपका किराएदार या घरेलू नौकर आपराधिक प्रवृत्ति का भी हो सकता है, या फिर किसी आपराधिक वारदात का वांछित भी हो सकता है, इसलिए पूरी सतर्कता बरतें तथा पुलिस वैरीफिकेशन अवश्य करवाएं। उन्होंने कहा कि आपराधिक किस्म के लोगों पर और अधिक कारगर ढंग से अंकुश लगाने के लिए किराएदारों व घरेलू नौकरों की पुलिस वैरिफिकेशन कराना अत्यंत जरुरी है। उन्होंने कहा कि कई बार कुछ आपराधिक प्रवृत्ति के लोग अपराध को अंजाम देने के लिए मकान किराए पर लेते हैं और किराएदार बनकर चोरी, डकैती, लूट व बलात्कार जैसी घटनाओं का षड्यंत्र रच वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति से बचने के लिए पहले पुलिस वैरिफिकेशन करवाना अनिवार्य होगा।

शाह सतनाम ब्वॉयज कॉलेज के खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शाह सतनाम ब्वॉयज कॉलेज के खिलाड़ियों ने नॉर्थ-ईस्ट जोन चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम रखते हुए बॉक्सिंग में आशीष सैनी व ईशु गौतम तथा 400 मीटर रेस में एथलीट अभिषेक ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है। विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कॉलेज प्राचार्य डॉ. दिलावर सिंह ने कहा कि कठिन मेहनत की बदौलत ही आज कॉलेज के खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। शाह सतनाम शिक्षण संस्थानों में खिलाड़ियों के लिए हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है, ताकि हर प्रतिभावान खिलाड़ी देश का नाम रोशन कर सके।

कोच अमित ने बताया कि नार्थ-ईस्ट जोन बाक्सिंग चैंपियनशिप चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में आयोजित हुई जिसमें कॉलेज के खिलाड़ी आशीष सैनी ने 62-65 किलोग्राम भार वर्ग व ईशु गौतम ने 75-80 किलोग्राम भार वर्ग में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9653530207, 9253681005

लोगों ने उच्चाधिकारियों को भेजी शिकायत

नियमों को ताक पर रख किया जा रहा गली का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

शहर में कुछ स्थानों पर ठेकेदार द्वारा निर्माणाधीन गलियों का कार्य नियमों को ताक पर रखकर करने के आरोप लगे है। नगर पालिका द्वारा शहर की जैन गली का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। गली निवासी एक महिला ने नपा अधिकारियों से अभी तक नव निर्माण की गई गली को उखाड़कर इसका नए सिरे से निर्माण कराने की मांग की है। शहर के वार्ड नं 4 की निवासी रेखा सिंगला ने उनके घर की गली नियमों के विपरीत निर्माण करने की शिकायत जाखल नपा सचिव के साथ-साथ नायब तहसीलदार, टोहाना के उपमंडल अधिकारी व जिला स्तर पर बैठे अधिकारियों को भेजकर सड़क निर्माण में अनियमितता बरतने पर ठेकेदार और इसमें संलिप्त अधिकारियों विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की है। नपा द्वारा शहर के वार्ड नं 4 में जैन गली का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। शिकायतकर्ता रेखा सिंगला ने शिकायत पत्र में बताया कि एजेंसी द्वारा गली को उखाड़े बिना ही नियमों को दरकिनार कर गली निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे गली का लेवल अधिक ऊंचा उठ जाने से मकान गली से नीचे चले जाएंगे। नतीजन इससे वर्षा के दिनों में पानी घरों में घुस जाने से गली के लोगों को पानी बहाव की समस्या झेलनी पड़ेगी। शिकायतकर्ता ने नपा से मांग की है कि गली का लेवल नियमानुसार नीचा कर ही गली का निर्माण किया जाए। शिकायतकर्ता का आरोप हैं कि उन्होंने जब निर्माण एजेंसी के कारिंदो को गली का निर्माण नियमानुसार सही ढंग से करने की सलाह दी तो उन्होंने निर्माण कार्य में सुधार करने की अपेक्षा शिकायतकर्ता से दुर्व्यवहार किया। आरोप है कि उन्होंने कहा कि वो गली का निर्माण अपने तरीके से ही करेंगे। यहीं नहीं, एजेंसी के कारिंदों ने शिकायतकर्ता को कहा कि वो किसी कानून को नहीं मानते हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार गलियों का नवनिर्माण पुरानी गली को उखाड़ कर किया जाना अनिवार्य है। जब इस बारे में नगर पालिका जेई रविकांत से बात की गई तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब न देते हुए कहा कि शिकायतकर्ता के मकान को कोई दिक्कत नहीं आएगी।

जाखल। वार्ड नं 4 की निर्माणाधीन गली।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है

मोबाइल फोन

आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

{ कवर स्टोरी / किरण भास्कर }

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंग वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

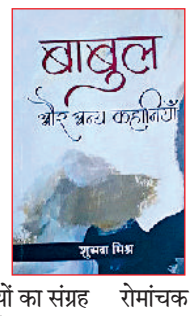

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

{ लघुकथाएं }

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की

पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी **haribhoomifeaturedep@gmail.com** पर भेजें।

हाल में शुरू हुए इस नए वर्ष में ही नहीं, आने वाले पूरे जीवन में आप खुशहाल रह सकते हैं, स्वस्थ-दीर्घायु भी पा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने जीवन को जीने के तरीके में कुछ बदलाव करने होंगे। इस दिशा में प्रसिद्ध जापानी जीवनशैली ईकीगाई बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है।

दीर्घायु-खुशहाल जीवन का जापानी तरीका ईकीगाई

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

इस दुनिया में हम सभी स्वस्थ दीर्घायु और खुशहाल जीवन चाहते हैं। वास्तव में ये दोनों ही एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सेहत विज्ञानियों के अनुसार, जो लोग जिंदादिल और खुशहाल होते हैं, वे दीर्घायु भी होते हैं। लेकिन इनको हासिल करने के लिए आपकी मददगार हो सकती है जापानी जीवनशैली का अहम भाग, ईकीगाई। इस जापानी शब्द का मतलब है-मकसद। जी हां, जापानी जीवनशैली के अनुसार, अगर आपने अपने जीने का उद्देश्य या मकसद ढूंढ़ लिया, तो आप दूसरे लोगों की तुलना में दीर्घायु और खुशहाल होंगे। लंबी आयु के मामले में जापान के लोग दुनिया भर में जाने जाते हैं और वे इस बात पर पूरी गंभीरता से अमल भी करते हैं। आप भी इस वर्ष से अपने जीवन में ईकीगाई को शामिल कर सकते हैं।

हो चुके हैं कई अध्ययन

हजारों जापानी वयस्कों पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने अपने जीने का मकसद तय कर लिया है या जानते हैं, उनकी जिंदगी में तनाव कम होता है। इसी वजह से उनकी आयु लंबी होती है। ये सारे लोग जापान के ओकिनावा द्वीप के रहने वाले थे। अमेरिका में हुए एक अन्य अध्ययन में भी पाया गया कि जिन लोगों ने अपनी जीने का मकसद जान और समझ लिया, उनमें बिना लक्ष्य के जीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 15 फीसदी तक कम होता है। माउंट सिनी सेंट ल्यूक एवं माउंट सिनाई रूजवेल्ट के शोधकर्ताओं ने अपने गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि जीने का मकसद स्पष्ट रूप से समझने वालों की मृत्यु में अन्य सभी कारणों से 23 फीसदी और हार्ट डिजीज या स्ट्रोक से मृत्यु की 19 फीसदी संभावना कम हो जाती है। अध्ययन के मुखिया रैंडी कोहेन कहते हैं, 'जीने का उद्देश्य जानने और मृत्यु से सुरक्षा पाने के बीच बड़ा गहरा संबंध है। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दीर्घ आयु पर अध्ययन करते हुए पाया कि जिन लोगों ने अपने जीवन की दिशा तय कर रखी है और लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, वे लंबी आयु पाते हैं। भले ही यह लक्ष्य अधेड़ अवस्था में ही क्यों न तय किया गया हो। 'साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस अध्ययन के मुखिया पैट्रिक हिल हैं। अमेरिका स्थित शिकागो की रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन के नतीजे में जीवन के उद्देश्य निर्धारण से ओल्ड एज में होन वाली अल्जाइमर्स डिजीज से मस्तिष्क की सुरक्षा की दिशा में फायदेमंद बताया गया है।

मकसद निर्धारण का फायदा

प्लानिंग करने और आने वाले समय में हासिल करने के लिए तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की जद्दोजहद आपके दिमाग को व्यस्त रखती हैं। साथ ही आपके तन को एक्टिव और फिट रखती है। इससे आप चिंताओं में उलझकर मानसिक रूप से परेशान होने या आलस्य के वशीभूत होने से बच जाते हैं। ये दोनों ही बातें, तन-मन की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जब हम सुबह किसी काम को करने के उत्साह और लगन से उठते हैं तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और लक्ष्य हासिल करने के लिए हम जल्दी-जल्दी एक के बाद एक काम निपटाते चले जाते हैं।

ऐसे तय करें लक्ष्य

अपनी जिंदगी का मकसद तय करने के लिए आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे और ईमानदारी से उनका जवाब देना होगा। जैसे-

मुझे क्या करना अच्छा लगता है : यहां आपको अपना सबसे खास शौक जानना होगा। ये शौक एक या उससे अधिक भी हो सकते हैं। इन्हें आप कभी ना छोड़ें, बशर्ते ये अच्छे, सकारात्मक और रचनात्मक हों। हर अच्छा शौक आपको कोई ना कोई फायदा जरूर देता है, चाहे वो तन को दुरुस्त रखता हो या मन को सुकून देता है। आप चाहे जितने व्यस्त रहें लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए डेली या वीकली अपना कुछ वक्त जरूर दें।

मैं क्या अच्छा कर सकता हूं: यह आपके बिजनेस या पेशे से संबंधित होता है। आप किस काम को अच्छी तरह कर सकते हैं और किस काम को करने में आपकी अधिक दिलचस्पी है, यह आपको जरूर मालूम होना चाहिए। अगर आप अपनी क्षमता, दिलचस्पी से संबंधित काम करेंगे तो आपको हर दिन कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा, जिससे आपका उत्साह बना रहेगा, जिससे आपकी सफलता के चांसेज भी बढ़ेंगे।

लोग मुझसे क्या चाहते हैं: इस सवाल का जवाब देते समय उन लोगों के बारे में सोचें, जो आपके लिए वास्तव में महत्व रखते हैं। इनमें दो तरह के लोग होंगे- पहले, वे जो आपको शिद्दत से चाहते हैं। आप हमेशा उनका साथ और खुशी चाहते हैं। दूसरे तरह के लोग, जिनसे आपको फाइनेंशियल फायदा होता है। इससे आपको अपने दैनिक कामों और क्रियाकलापों को तय करने की दिशा भी मिलेगी, उन्हें करने में मजा भी आएगा। ये दोनों ही स्थितियां आपको उत्साह और प्रसन्नता देने वाली होंगी। इन्हीं 3 सवालों और उनके जवाबों में आपके जीने का मकसद छिपा है। *

ये भी हो सकते हैं लक्ष्य

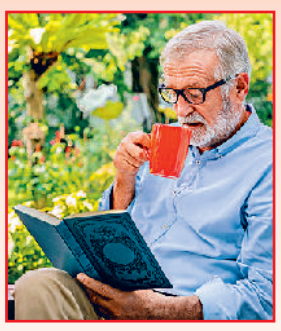

- अपने बच्चों को सही ढंग से पाल-पोस कर बड़ा करना।
- डेली कोई अच्छी-सी किताब पढ़ना। चाहे वह हेल्थ बुक हो, आध्यात्मिक पुस्तक हो, कहानियों की किताब हो।
- दिन भर काम करने के बाद शाम को पसंदीदा टीवी प्रोग्राम देखना या दोस्तों के साथ गपशप करना।
- किसी के प्रति आभार व्यक्त करना, जो कल आपके काम आया था या आपकी मदद की थी।
- अपनी मां, बहन, पत्नी, पति या किसी अन्य निकट संबंधी के लिए कुछ स्पेशल करना है। उनके साथ खुशी बांटनी है। *

{ धर्म-संस्कृति / आर.सी.शर्मा }

धार्मिक-स्वास्थ्य की दृष्टि से

बहुत महत्वपूर्ण है पौष माह

हिंदू पंचांग के मुताबिक पौष मास या पूस का महीना मार्गशीर्ष या अगहन महीने की पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। 27 दिसंबर 2023 से शुरू होकर यह माह 25 जनवरी 2024 को खत्म होगा। इस महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में होता है, इसलिए इस महीने का नाम पौष रखा गया है। इस महीने का जितना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, उससे कहीं ज्यादा इसका सेहत के नजरिए से भी महत्व है।

सूर्यदेव को समर्पित माह: धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महीना भगवान सूर्य को समर्पित है। इस वजह से इस महीने में सूर्यदेव की पूजा करने पर सबसे ज्यादा महत्व है। सूर्य की पूजा से बहुत शुभ फल मिलते हैं। पूरे पौष माह नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से ना सिर्फ घर में संपन्नता आती है, बल्कि मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। धार्मिक विधान के मुताबिक पौष माह में हर रविवार को सूर्यदेव का व्रत रखना चाहिए। उन्हें अर्घ्य देकर तिल, चावल और खिचड़ी का भोग लगाना चाहिए। स्नान, ध्यान के बाद नियमित रूप से सूर्य भगवान की पूजा और सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। सनातन धर्म में सूर्य को प्रधान देवता माना गया है। ग्रंथों के मुताबिक पौष माह में सूर्य के भग स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक धर्म, यश, श्री, ज्ञान, ऐश्वर्य और वैराग्य को भग कहते हैं। इनसे युक्त को ही भगवान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्यदेव को अर्घ्य देता है और उनकी उपासना करता है, उन्हें ज्ञान, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौष माह में पूजा, पाठ और जप तप करने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है।

बहुत कुछ है पौष माह में खास : पौष माह श्राद्धकर्म और पिंडदान के लिए भी उत्तम माना जाता है। माना जाता है कि इस माह में पैदा होने वाले लोग बुद्धिमान, धनवान, शूरवीर और कठोर होते हैं। इस महीने को छोटा पितृ पक्ष भी कहते हैं। मान्यता के मुताबिक पितृ पक्ष की तरह इस माह भी पूर्वजों के लिए खास पूजा की जाती है। लेकिन इस महीने गृहप्रवेश या विवाह जैसे धार्मिक समारोह नहीं करने चाहिए।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अहम: स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने में मिलने वाली सूर्य की हल्की गरमाहट भरी धूप से शरीर को भरपूर विटामिन डी मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक पौष मास में ब्रह्म मुहूर्त में जगने से शरीर में वात, पित और कफ का संतुलन बना रहता है। हम चुस्त, दुरुस्त और तरोताजा महसूस करते हैं। इस मौसम में जठराग्नि तेज होती है, इसलिए डायटीशियन भी इस मौसम में गेहूं, तिल और गुड़ से बनी चीजों के खाने की सलाह देते हैं। इस मौसम में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीया जाए तो शरीर में धातुओं का बैंलेस बना रहता है। हम सब जानते हैं कि सूर्य की किरणें ना सिर्फ हमें जीवन देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं और सूर्य की किरणें सबसे गुणकारी इसी माह में होती हैं। लेकिन इस महीने बैंगन, मूली, फूलगोभी और उड़द-मसूर की दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। *

होती है मोक्ष की प्राप्ति

इस माह की पूर्णिमा का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर काशी या त्रिवेणी के संगम में स्नान और दान किया जाए तो अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन पवित्र जल में स्नान करने से वही पुण्य लाभ मिलता है, जो पूरे महीने की पूजा पाठ से मिलता है। धन और संतान देने वाला माना गया है। *

{ विज्ञान-तकनीक/ संजय श्रीवास्तव }

इस साल और बढ़ेगी

भारत की ख्याति

विगत वर्ष के ठोस आधार पर इस साल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश बहुत कुछ नवनिर्माण करेगा और शोध विकास में आगे बढ़ेगा। इस साल भारत की संभावित उपलब्धियों पर एक नजर।

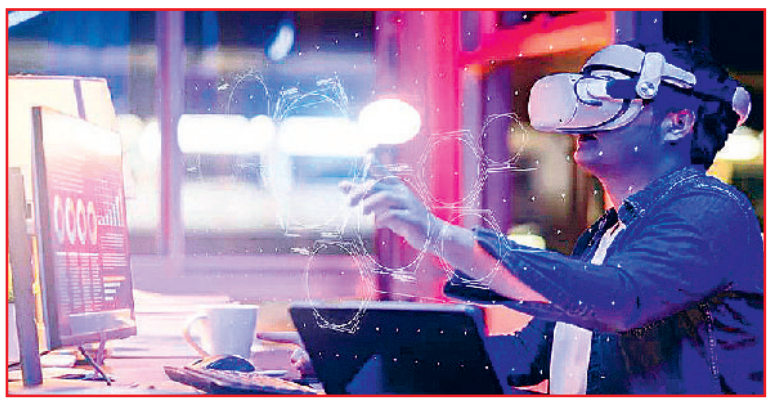

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगामी सालों में देश को जो ढेरों उम्मीदें हैं, इसमें से कई के इसी साल पूरी होने की आशा है। वजह है, पिछले वर्षों में देश का इस क्षेत्र में किया गया शानदार प्रदर्शन। सकारात्मक सरकारी रुझान और कुछ विकसित देशों से हुए महत्वपूर्ण समझौतों के साथ हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकविदों, संबंधित संस्थानों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता। पिछले बरस जिन परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी, इस साल संभव है कि उनको अमली जामा पहना दिया जाए।

एआई में आएगा बहुत कुछ नया: एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता का क्षेत्र सबसे ऊपर रहने वाला है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ बरसों से भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस साल 2024 में वह ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई की अध्यक्षता करेगा। संभव है कि इस बार कोई बेहद चौंकाने वाली चीजें सामने आएं। फिलहाल चैट जीपीटी का विकल्प बनने का ही नहीं, उससे कई गुना आगे निकलने वाले 12 भारतीय सहित 120 भाषाओं में इसका प्रदर्शन संभव है।

6जी में होंगे सबसे आगे: इंटरनेट के क्षेत्र में 5जी के बाद उम्मीद है कि साल के आखिर तक अब 6जी तकनीक भी लांच हो जाएगी। यदि यह संभव हुआ तो हम इस मामले में जापान को पीछे छोड़ देंगे। यही नहीं हम दक्षिण कोरिया, चीन और फिनलैंड से भी आगे होंगे, जो 6जी की अभी तैयारी कर रहे हैं। बेशक यह एक बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।

इसरो के कई प्रोजेक्ट्स होंगे पूरे: इसरो इसी साल अपने अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गगनयान को लांच करेगा। निर्णायक प्रक्षेपणपूर्व वह कुछ परीक्षण करेगा, सुरक्षा उपायों को परखेगा। इसके अलावा इसरो इस साल लगभग 10 महत्वपूर्ण मिशन लांच करने वाला है और कुछ उल्लेखनीय तकनीक विकसित कर विश्वपटल पर अपना नाम दर्ज कराएगा। बीते बरस इसरो ने कहा था कि अंतरिक्षीय मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक प्रणाली ईसीएलएसएस वह खुद विकसित करेगा। अब तक वह केवल रॉकेट और उपग्रह बनाता रहा था, उसे उम्मीद थी कि विदेशों से हुए कई समन्वयकारी समझौतों के तहत इसकी तकनीक हासिल करके वह इसे अपने वहां बना लेगा, लेकिन जब कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई राजी ना हुआ तो उसने इसे अपने स्तर पर विकसित करने का फैसला लिया। इस बरस इसका विकास इस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उम्मीद है आज या कल में आदित्य एल-1 अपने मुकाम यानी धरती से 15 लाख किमी. दूर लैग्रेंज प्वाइंट पर पहुंच जाएगा। यह उसकी एक और बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

इस साल इसरो अपने द्वारा विकसित पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलबीएम-3 के जरिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। एसएसएलवी की तीसरी विकास उड़ान पर गगनयान कार्यक्रम के तहत दो मानव रहित मिशन के अलावा वह इनसैट 3डीएस, एक्स-रे, पोलरीमीटर और दूसरे महत्वपूर्ण उपग्रह भी लांच करेगा। साल के आखिर में शुक्रयान की तैयारी है तो मध्य में मंगलयान-2 की। गगनयान मिशन में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, इंजीनियरिंग प्रणालियों और मानव केंद्रित प्रणालियों सहित

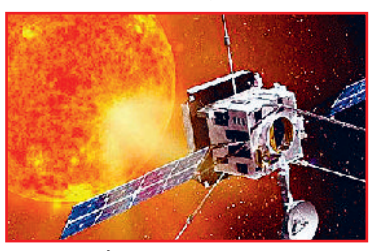

विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के परिणाम इसी साल दिखेंगे। विभिन्न स्थितियों के तहत गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम के लिए एक परीक्षण वाहन का उपयोग करने वाले कई उप-कक्षीय मिशनों की भी योजना इस वर्ष लागू होगी।

महाराष्ट्र के हिंगोली में एलआईजीओ-इंडिया नाम से जो लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित किया जाना शुरू किया गया है, जो ब्लैकहोल और न्यूट्रन स्टार जैसे विशाल खगोल भौतिकी वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है। उसमें इस बरस उल्लेखनीय प्रगति दिख सकती है।

कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में तरक्की: इस बरस कई वजहों से साइबर सुरक्षा बड़ी चिंता होगी, इसलिए ब्लॉकचेन तकनीक में प्रगति लाजिमी है। स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं इस बरस भी पूरी नहीं होंगी, लेकिन क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान में क्रांति करने में समर्थ क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में इस बरस महत्वपूर्ण प्रगति दिखेगी। इसी साल मेटावर्स का तेजी से विस्तार हो सकता है। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि मार्क जुकरबर्ग 2024 में मेटावर्स को विस्तार देंगे तो इसका असर भारत में भी दिखेगा।

विज्ञान महोत्सवों का होगा आयोजन : छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों तथा विज्ञान संप्रेषकों जैसे व्यक्तियों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होगा। कुल मिलाकर विज्ञान-तकनीक क्षेत्र का परिदृश्य इस वर्ष उत्साहवर्धक रहने वाला है। *

अंडरग्राउंड सिटी कूबर पेडी

{ रोचक }

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा शहर मौजूद है, जो जमीन के नीचे बसा हुआ है। कूबर पेडी नाम के इस शहर को दुनियाभर में अंडरग्राउंड सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

कूबर पेडी शहर के बसने के पीछे बड़ी रोचक कहानी है। दरअसल, इसके बसने की शुरुआत आज से करीब 110 साल पहले हुई थी। जहां आज यह शहर मौजूद है, वहां बेशकीमती ओपल जेमस्टोन काफी मात्रा में पाए जाते थे। बता दें, ओपल जेमस्टोन एक महंगा रत्न होता है, जिसे अंगूठी में लगाकर पहना जाता है। इस शहर को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। इस पाताललोक शहर में स्वीमिंग पूल, पब और होटल जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं और यहां गोल्फ कोर्स और म्यूजियम भी हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो, इस शहर के करीब दो हजार लोग अंडरग्राउंड घरों में ही रहते हैं।

कूबर पेडी रेतीली और चट्टानी जगह है और यहां के मौसम का मिजाज तेजी से बदलता रहता है। रेगिस्तान में होने की वजह से यहां का तापमान सामान्य से बहुत अधिक रहता है। तेज गर्मी से खुद को बचाने के लिए यहां के लोग उन गड्ढों में घर बनाकर रहते हैं, जो ओपल जेमस्टोन के खनन की वजह से बन गए थे। धरातल से नीचे होने की वजह से इन गड्ढों में बने घरों में तापमान कम होता है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे और एसी की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां बने हाइब्रिड एनर्जी पावर प्लांट से शहर की 70 फीसदी पावर की जरूरत पूरी होती है। बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोग इस शहर को देखने के लिए आते हैं। *

-हरीशचंद्र पांडे

{ बड़ा पर्दा / हेमंत पाल }

अगर आप फिल्मों के शौकीन हैं तो अपनी फेवरेट फिल्म या हीरो का कोई ना कोई डायलॉग जरूर याद होगा। ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर हाल के दशकों तक की कई फिल्मों के ऐसे पॉपुलर डायलॉग्स हैं, जिन्हें लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

आज भी हैं लोगों को याद पॉपुलर फिल्मी डायलॉग

समाज को सिनेमा बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। यह तथ्य अच्छे और बुरे दोनों संदर्भों में है और भाषा के संबंध में भी। सिनेमा में प्रयुक्त हर शब्द और संवाद का अपना अलग असर होता है। अगर समाज में किसी शब्द, वाक्य या विचार को चलन में लाना है, तो उसका फिल्म में प्रयोग करके उसको लोकप्रिय बनाया जा सकता है। ऐसे कई शब्द और संवाद हैं, जो सिर्फ सिनेमा की वजह से चलन में आए। आशय यह कि सिनेमा के संवादों की भाषा के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तव में जीवन में हम सिनेमा की भाषा से पात्रों के व्यवहार को समझते हैं और दृश्यों से कथानक को। फिल्म देखने के बाद तो कई संवाद हमारी बोल चाल का हिस्सा तक बन जाते हैं। कुछ फिल्मों के संवाद फिल्म इतिहास में बहुत ज्यादा चर्चित हुए हैं। फिल्म के कुछ संवाद लोगों की जुबान पर ऐसे चढ़ गए, जैसे उन्हीं के लिए लिखे गए हों।

'शोले' का फेमस डायलॉग- 'कितने आदमी थे?'

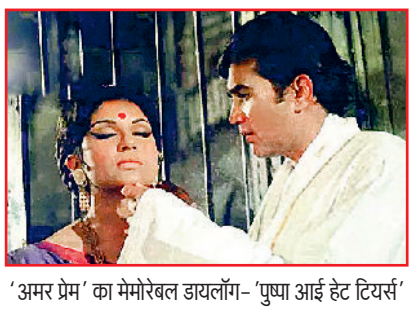

'अमर प्रेम' का मेमोरेबल डायलॉग- 'पुष्पा आई हेट टियर्स'

पुराने दौर से जारी है सिलसिला: इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कहानी किसी भी फिल्म की जान होती है। कहानी ही फिल्म में रंग भी भरती है। लेकिन उसी कहानी में अगर सटीक और प्रभावी संवादों का सहारा मिल जाए तो फिल्म की पहचान सालों तक बनी रहती है। हालांकि अब फिल्मों में याद रह जाने लायक संवाद कम ही सुनाई देते हैं। आजादी से पहले जरूर कुछ फिल्में सिर्फ संवादों की वजह से ही चर्चित हुई थीं। सोहराब मोदी की 'पुकार' और 'सिकंदर' ऐसी ही फिल्में थीं। बीआर चोपड़ा की 'कानून' और 'इंसाफ का तराजू' में संवादों से ही कानून की कमियों को उभारा गया।

'मुगले आजम' में पृथ्वीराज

डायलॉग्स से मिली फिल्मों को पहचान: कुछ फिल्में तो सिर्फ उनके संवादों के कारण ही आजतक याद की जाती हैं। ऐसी फिल्मों में 'मुगले आजम', 'शोले', 'दीवार' सबसे प्रमुख हैं। पृथ्वीराज कपूर द्वारा 'मुगले आजम' में बोला गया संवाद 'सलीम की मोहब्बत तुम्हें मरने नहीं देगी और हम तुम्हें जीने नहीं देंगे।' इसी तरह 'शोले' का डायलॉग 'तेरा क्या होगा कालिया!' और 'कितने आदमी थे?' और इसी तरह 'दीवार' का डायलॉग 'मेरे पास मां है।' ऐसे संवाद हैं, जिनको सुनते ही पूरी फिल्म याद आ जाती है। सहजता से बोले गए इन संवादों ने फिल्मों को कालजयी बनाने में खास योगदान दिया।

'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी

ये डायलॉग्स भी हुए पॉपुलर: अमिताभ बच्चन का फिल्म 'डॉन' का संवाद 'डॉन का इंतजार तो ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही है, लेकिन डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आज भी सुनाई देता है, तो आंखों के सामने अमिताभ का शातिर चरित्र घूम जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा जब अपने करियर के शिखर पर थे, तब 'कालीचरण' और 'विश्वनाथ' के संवाद गली-गली में सुनाई देते थे और भी उनकी पहचान बने हुए हैं।

डायलॉग्स ने बना दी इमेज: संवादों का जोरदार असर तभी अच्छा होता है, जब उसे उसी शिद्दत से बोलने वाला एक्टर भी मिले। तभी हर संवाद चरित्र की पहचान से जुड़ता भी है। राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा और नाना पाटेकर के संवादों में अकड़ की झलक देखी गई है। लेकिन, राजकुमार के 'पाकीजा' में बोले गए उनके एक संवाद ने उनकी पहचान ही बदल दी थी। वो संवाद था 'आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं। इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा मैले हो जाएंगे।' इसी तरह रोमांटिक हीरो राजेश खन्ना का 'अमर प्रेम' का संवाद 'पुष्पा, आई हेट टियर्स।' लोग भूले नहीं हैं।

विलेन के पॉपुलर डायलॉग: अजित, प्रेम चोपड़ा और अमरीश पुरी के बोले हर संवाद में क्रूरता का अंदाज झलकता था। प्रेम चोपड़ा का 'बॉबी' में बोला गया संवाद कितना सहज है 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा।' लेकिन उनकी अदायगी की क्रूरता ने इसे यादगार बना दिया। 'कालीचरण' में अजित का संवाद 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है' और 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी का 'मोगैंबो खुश हुआ।' भी अपने अंदाज की वजह से यादगार बना हुआ है। *